A–0058

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAHL (N)-320

छायावादोत्तर हिन्दी काव्य

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. छायावाद के बाद के विभिन्न काव्यात्मक आन्दोलनों का विस्तार से परिचय दीजिए।

2. रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं में अभिव्यक्त राष्ट्रीय मूल्यों को रेखांकित कीजिए।

3. हरिवंश राय बच्चन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को सविस्तार लिखिए।

4. प्रगतिवाद क्या है ? किसी एक प्रगतिशील कवित के महत्व को रेखांकित कीजिए।

5. नई कविता के महत्व को बतलाते हुए उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. छायावादोत्तर कविता की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. प्रयोगवाद के प्रमुख विशिष्टता को संक्षेप में लिखिए।

3. 'हालवाद' पर टिप्पणी लिखिए।

4. रामधारी सिंह की कविताओं की विशिष्टता को संक्षेप में रेखांकित कीजिए।

5. नागार्जुन की कवितओं में निहित व्यंग्य की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए।

6. प्रगतिशील कविता में श्रम के महत्व को रेखांकित कीजिए।

7. शमशेर के बिम्बों अथवा उनके काव्य वैशिष्ट्य पर टिप्पणी लिखिए।

8. श्रीकांत वर्मा के काव्य मुहावरों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

****